भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

06.08.2014 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 3860

परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में रूस की सहायता

3860. श्री चिन्तामन नावाशा वांगा:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में रूस से सहायता लेने का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या हाल ही में ब्राजील में आयोजित 'ब्रिक्स' देशों के शिखर-सम्मेलन के दौरान इस विषय पर कोई चर्चा हुई; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) जी, हाँ। भूतपूर्व सोवियत संघ और भारत के बीच वर्ष 1988 में, कुडलकुलम, तमिलनाडु के लिए 1000 मेगावाट क्षमता वाले दो साधारण जल रिएक्टरों (एलडब्ल्युआर्ज़) की आपूर्ति करने के लिए एक अंतर्सरकारी करार (आईजीए) पर हस्ताक्षर किए गए थे। कुडलकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी) के पहले यूनिट ने, 13.07.2013 को पहली बार क्रांतिकता प्राप्त की थी। कुडलकुलम में अतिरिक्त नाभिकीय विद्युत संयंत्र यूनिट स्थापित करने के लिए 05 दिसम्बर, 2008 को एक अंतर्सरकारी करार पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके अतिरिक्त, परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण प्रयोजनों के लिए उपयोग हेतु सहयोग देने के लिए भारत और रूस के बीच अपेक्षाकृत अधिक व्यापक एक अंतर्सरकारी करार पर 12 मार्च, 2010 को हस्ताक्षर किए गए थे। परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोगों के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर वैज्ञानिक तथा तकनीकी सहयोग देने हेतु दिसम्बर, 2010 में, एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

(ग) तथा (घ) भारत के प्रधान मंत्री और रूस के राष्ट्रपति ने, ब्राजील में आयोजित 'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन के अतिरिक्त 15 जुलाई, 2014 को एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान असैन्य नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग देने के बारे में चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने, कुडलकुलम यूनिट 1 तथा 2 में हासिल की गई सकारात्मक प्रगति की प्रशंसा की थी और असैन्य नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने के संबंध में विचारों का आदान-प्रदान भी किया था।

****